# बुझने के बाद भी घातक हो सकती है सिगरेट-बीड़ी

**डॉ. अरविंद गुप्ते**

**य**ह तथ्य अब सबको पता है कि धूम्रपान करने वालों से उन्हें भी खतरा होता है जो उनके आसपास होते हैं लेकिन धूम्रपान नहीं करते। तमाखू के धुंए में कई हानिकारक पदार्थ होते हैं जो मनुष्य में कैंसर पैदा करते हैं। इनमें टोबैको-स्पेसिफिक नाइट्रोसामिन (टीएसएनए) सबसे खतरनाक है। धूम्रपान करने वालों की सिगरेट-बीड़ी से और उनके नाक-मुंह से निकलने वाला धुआं जब धूम्रपान न करने वालों के फेफड़ों में पहुंचता है तब उनके लिए भी कैंसर और अन्य बीमारियों का खतरा पैदा हो जाता है। इसे निष्क्रिय धूम्रपान या सेकंड हैंड स्मोकिंग कहते हैं। यही कारण है कि आजकल सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक लगाने के प्रयास हो रहे हैं।

पिछले दिनों हुए शोध से धूम्रपान का इससे भी खतरनाक पहलू उभर कर आया है। इसे थर्ड हैंड स्मोकिंग कहा गया है। अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस की 8 फरवरी 2010 की पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र में इसकी ओर इशारा किया गया है। यह हमारे लिए दैनिक अनुभव की बात है कि जब हम किसी धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के पास या उसके घर में जाते हैं तब हमें उसके शरीर, कपड़ों, घर की दीवारों आदि से तमाखू की गंध आती है। होता यह है कि धूम्रपान करने वाले के घर और वाहन की दीवारों, कपड़ों, त्वचा आदि पर तमाखू के धुएं में उपस्थित निकोटिन चिपक जाती है। जब यह निकोटिन हवा में उपस्थित नाइट्रस अम्ल के सम्पर्क में आती है तब इन दोनों में अभिक्रिया होकर टीएसएनए बनते हैं।

सवाल यह उठता है कि यह नाइट्रस अम्ल आता कहां से है? यह गैस एक आम प्रदूषक पदार्थ है और गैस के चूल्हों, वाहनों आदि से निकल कर हवा में फैलती रहती है। इस प्रकार बनने वाले टीएसएनए धूम्रपान न करने वालों, विशेष रूप से बच्चों के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। चूंकि निकोटिन विभिन्न सतहों से कई सप्ताहों तक चिपकी रहती है, थर्ड हैंड स्मोकिंग का खतरा फर्स्ट या सेकंड हैंड स्मोकिंग से अधिक समय तक बना रहता है। ***(स्रोत फीचर्स)***